

१४. मानचित्र और संकेत

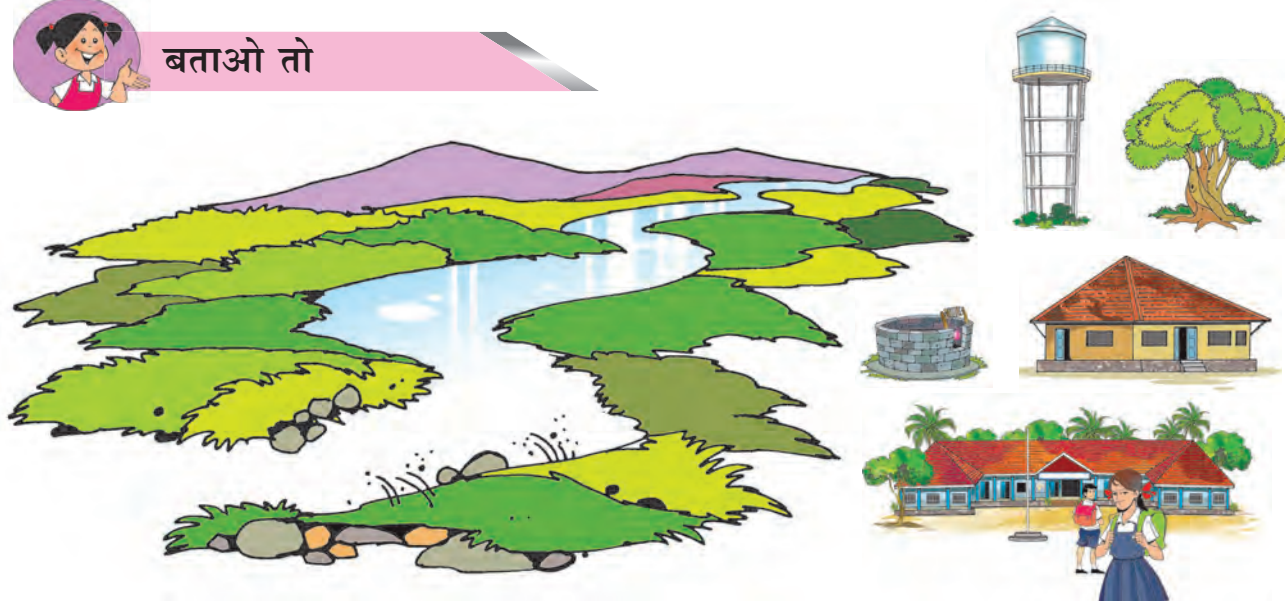


करके देखो

- अपने विद्यालय अथवा घर के आस-पासवाले परिसर का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करो ।
- इस परिसर में दीखनेवाली विभिन्न वस्तुओं (घटकों) की एक सूची सावधानीपूर्वक तैयार करो ।



बताओ तो



ऊपरवाले चित्र में आठ अलग-अलग वस्तुएँ दिखाई गई हैं । इनमें से कुछ वस्तुएँ मनुष्य ने स्वयं तैयार की हैं, जबकि कुछ प्राकृतिक रूप में तैयार हुई हैं । इनका वर्गीकरण निम्नानुसार होगा ।

प्रकृति निर्मित	मनुष्य निर्मित
नदी	पाठशाला
पेड़	पानी की टंकी
पहाड़ी	घर
घास	कुआँ

अपनी पाठशाला अथवा घर के परिसर में दीखने वाली वस्तुओं की सूची तुमने तैयार की है । इस सूची की वस्तुओं का प्रकृति निर्मित तथा मानव निर्मित के आधार पर वर्गीकरण करो ।



इसे सदैव ध्यान में रखो

मानव निर्मित वस्तुएँ तैयार करते समय हम प्राकृतिक साधनों का ही उपयोग करते हैं । हम पेड़ की लकड़ी से कुर्सी, मेज, बेंच इत्यादि बनाते हैं ।



है। अंजू को छोटी सड़क तथा मुख्य सड़क की जरूरत होगी। दोनों ओर विभिन्न वस्तुएँ या स्थान हैं।

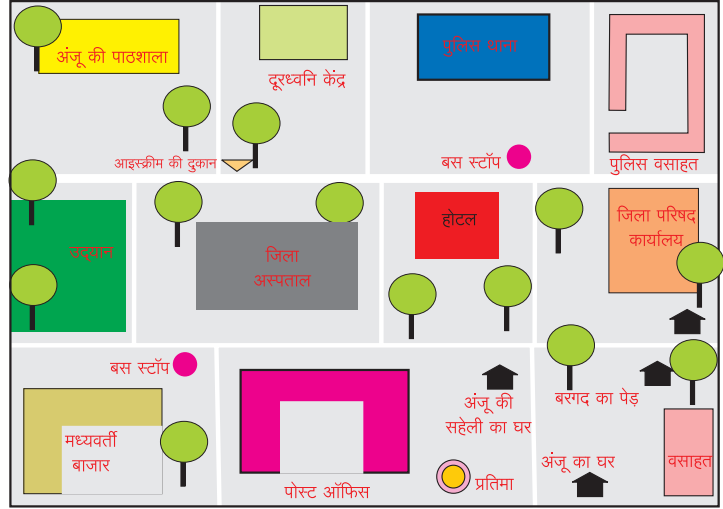
- अंजू के घर तथा परिसर का चित्र आगे छोटे आकार में दिया गया है। इस चित्र में वास्तविक वृक्ष अथवा इमारतें नहीं दिखाई गई हैं। उनके स्थान पर विशिष्ट संकेत दिए गए हैं। साथ-साथ अलग-अलग रंगों का भी उपयोग किया गया है परंतु उन संकेतों के आगे लिखा गया है कि वे किसके संकेत हैं। ध्यान दो कि परिसर की कुछ वस्तुएँ इस चित्र में आई नहीं हैं। इस चित्र को रूपरेखा अथवा प्रारूप कहते हैं।



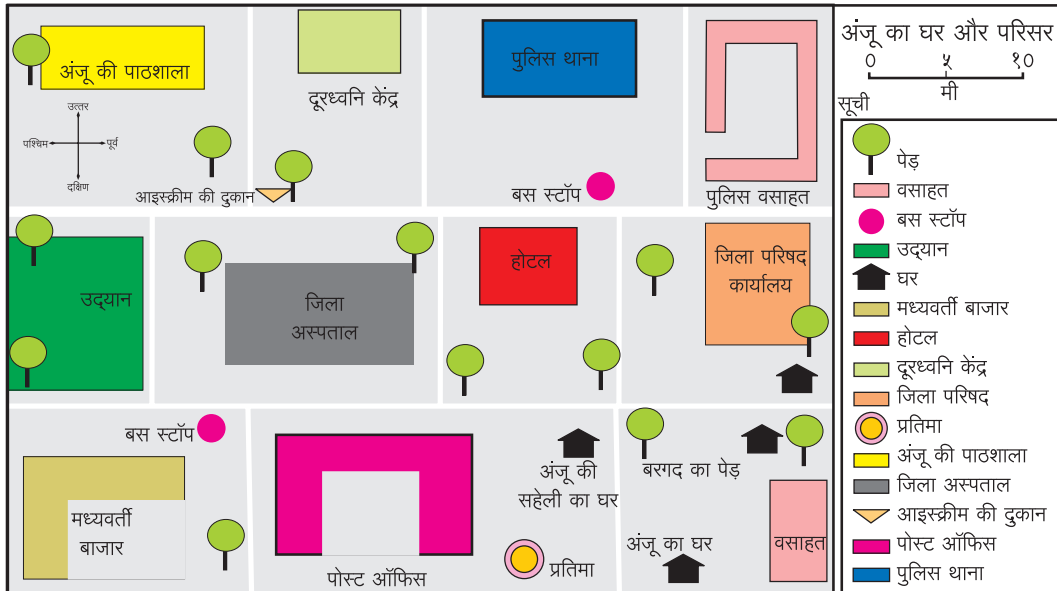
बताओ तो

संलग्न प्रारूप का निरीक्षण करके काँपी पर निम्नलिखित कृति करो ।

- घर के लिए प्रयुक्त विशिष्ट संकेत बनाओ ।
- प्रारूप में यह संकेत कितने स्थानों पर प्रयुक्त किया गया है; वह संख्या उस संकेत के आगे लिखो ।
- वृक्ष के लिए प्रयुक्त संकेत बनाओ ।
- इस प्रारूप में कितने पेड़ दिखाए गए हैं, वह संख्या पेड़ के संकेत के आगे लिखो ।
- अंजू के परिसर की कौन-सी वस्तुएँ चित्र के प्रारूप में नहीं आई हैं, उनके नाम लिखो ।



- प्रारूप तैयार करते समय हमने विभिन्न संकेतों और रंगों का उपयोग किया है ।
- ऐसा प्रारूपवाला मानचित्र बनाने के लिए उसमें दिशा, सूची, शीर्षक तथा पैमाना देना पड़ता है ।
- मानचित्र में परिसर के गतिशील घटकों का समावेश नहीं किया जाता । उदा. पशु-पक्षी, मनुष्य, सड़क पर जाने वाले वाहन इत्यादि ।
- परिसर के चित्र में क्रमशः सड़क जिस अनुपात में मोड़ लेती हुई गई है, उसे मानचित्र में भी वैसा ही दिखाया जाता है । सड़कें, नदियाँ, रेलमार्ग इत्यादि मानचित्र में इसी प्रकार दिखाते हैं ।
- अंजू के घर तथा परिसर का मानचित्र नीचे दिया गया है । अपने परिसर का मानचित्र जब तुम बना लो तो इस मानचित्र से मिलान करके देखो । यदि तुम्हारे मानचित्र में कुछ कमियाँ हों तो उन्हें दूर करो ।





क्या तुम जानते हो

मानचित्र तैयार करने का विज्ञान अब बहुत विकसित हो चुका है। हमारे पूर्वज भी मानचित्र तैयार करते थे। मानचित्र तैयार करने के लिए वे प्राणियों की खाल, हड्डियों, मिट्टी या पत्थर की स्लेट इत्यादि का उपयोग करते थे। लगभग ५००० वर्ष पहले मैसोपोटामिया नामक एक प्रदेश अस्तित्व में था। ऐसे प्रदेश के कुछ भाग दिखाने वाली मिट्टी की स्लेट (Clay Tablet) यहाँ दिखाई गई है। उसे ध्यान से देखो।



करके देखो

सर्वप्रथम तुम प्रारंभ में बनाए गए प्राकृतिक तथा मानव निर्मित सूची के लिए सामान्य तथा सरल संकेत तैयार करो। इन संकेतों के आधार पर अपने परिसर की रूपरेखा एक कागज पर खींचनी है।

- सड़क, नदी, रेलमार्ग, ये परिसर में जैसा दीखते हैं, वैसे ही प्रारूप में पहले खींचो। बाद में संकेतों की सहायता से अन्य बातें दिखाओ।

- तुमने संकेतों की जो सूची तैयार की है उसका एक प्रारूप पास में तैयार करो। उनके संकेतों के अर्थ उन बातों के सामने लिखो।

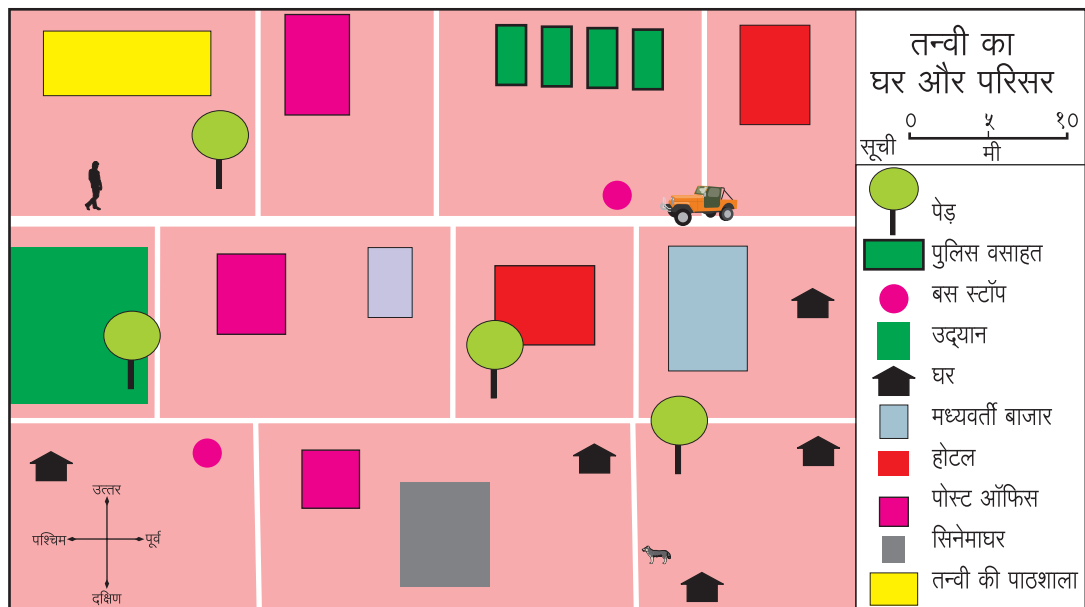
- अपने परिसर के सूर्योदय की दिशा (ओर) को ध्यान में रखकर इस रूपरेखा में दिशाचक्र दिखाओ। अब इस रूपरेखा को 'मेरा परिसर' ऐसा नाम (शीर्षक) दो।

तुमने जो मानचित्र तैयार किया है, वह पैमाने के अनुसार नहीं है। हो सके तो उसे हमें भेज दो।



थोड़ा सोचो

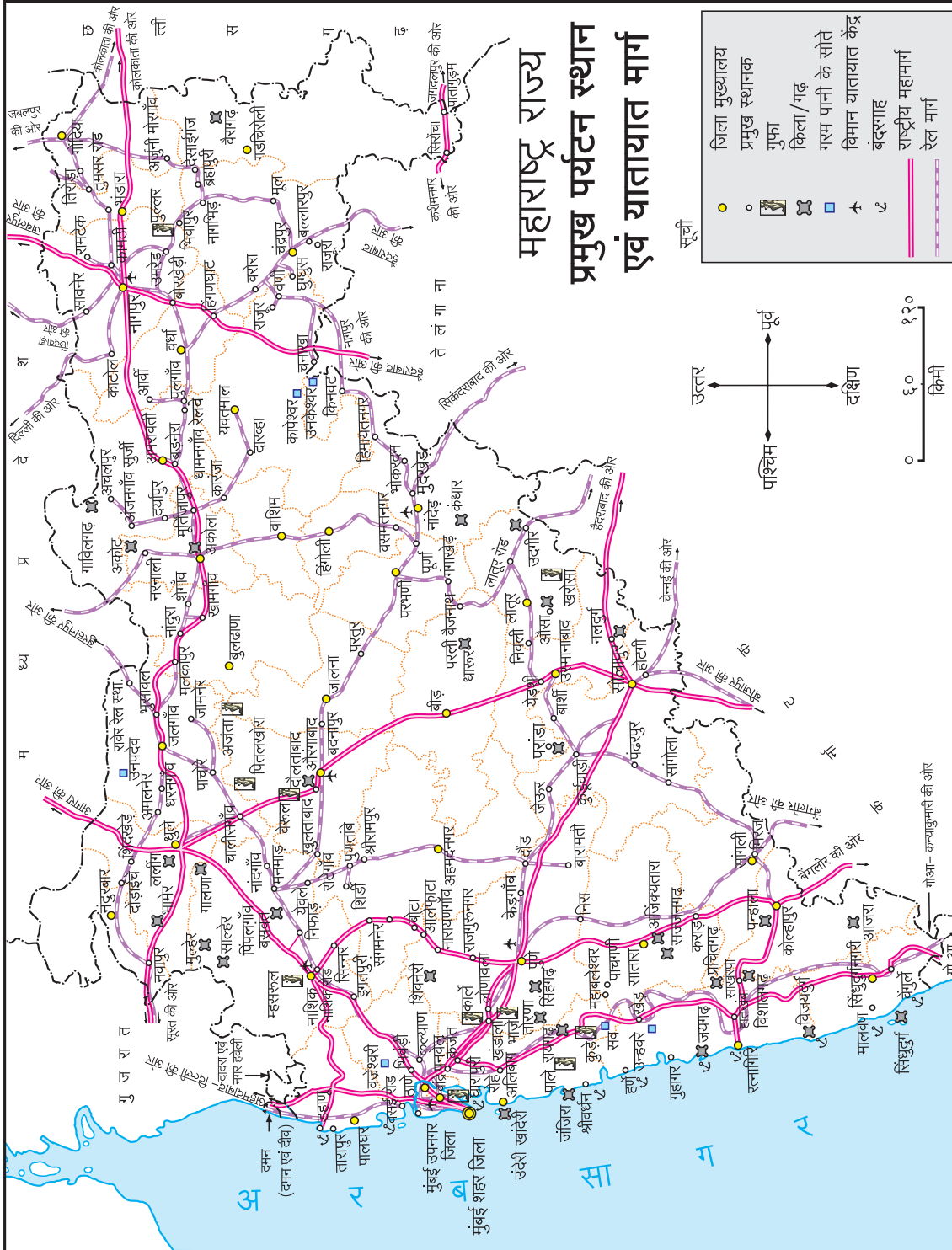
- मानचित्र की त्रुटियाँ ज्ञात करो और उनके चारों ओर ○ ऐसा चिह्न बनाओ।





बताओ तो

दिए गए महाराष्ट्र के मानचित्र का निरीक्षण करके कृति पूर्ण करो ।



- (१) हमारे राज्य को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राप्त है । महाराष्ट्र में जलदुर्ग (सागरीय किला) गिरिदुर्ग (पहाड़ी किला) तथा मैदानी किला जैसे किले हैं । अपनी कॉपी में उन जिलों के नाम लिखो; जहाँ किले पाए जाते हैं ।
- (२) अपनी कॉपी में लिखो कि कौन-कौन-से जिलों में गरम पानीवाले स्रोत (झरने) हैं ।

- (३) अपने राज्य के जिन जिलों में गुफाएँ हैं, उन जिलों के नाम अधोरेखित करो ।
- (४) मानचित्र में बंदरगाह वाले जिले खोजो और उनके नामों के चारों ओर ○ बनाओ ।
- (५) सूची के आधार पर 'मानव निर्मित' तथा 'प्राकृतिक घटकों' का वर्गीकरण करो ।
- (६) पुणे-कोल्हापुर शहरों के बीच राष्ट्रीय महामार्ग और रेल मार्ग हैं । इनमें से कम दूरीवाला मार्ग कौन-सा है, उसे कॉपी में लिखो ।
- (७) गोंदिया-चंद्रपुर रेल मार्ग पर पेंसिल फिराओ तथा उस मार्ग के स्थानकों के नाम दर्ज करो ।



अब क्या करना चाहिए

जेकब को अपने परिसर का मानचित्र तैयार करना है । उसे परिसर में निम्नलिखित घटक वस्तुएँ दिखीं । इनमें से कौन-से घटक उसे मानचित्र में दिखाने चाहिए ? तुम उसकी सहायता करो ।

घर, उड़ता हुआ कौआ, पुलिस थाना, गाय, डाक कार्यालय, भैंस, पाठशाला, मोटरकार, चौक, सड़क, मीनार, रेलगाड़ी, रेल स्थानक तथा खेत ।



हमने क्या सीखा

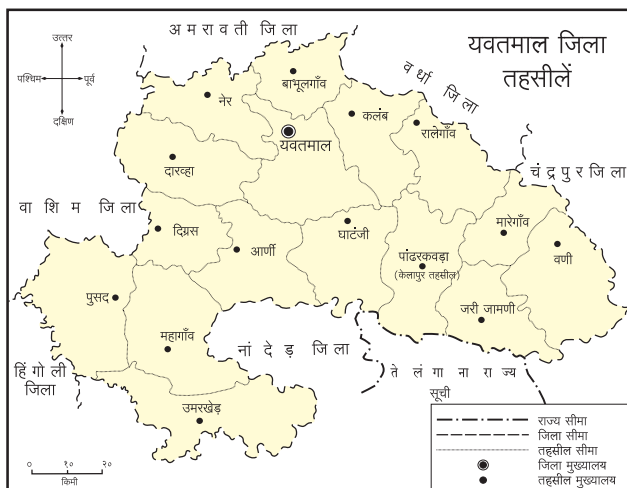
- मानचित्र के प्राकृतिक तथा मानव निर्मित घटकों को पहचानना ।
- हमारे परिसर में प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों प्रकार के घटक होते हैं ।
- मानचित्र तैयार करते समय विशिष्ट प्रकार के संकेतों का उपयोग करते हैं ।



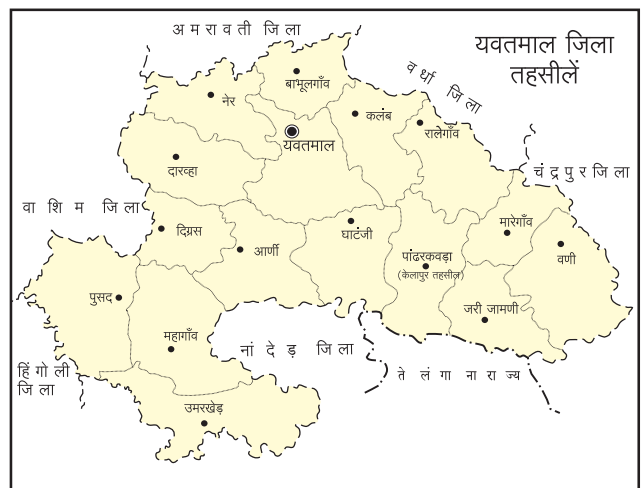
स्वाध्याय



- (अ) मानव निर्मित घटकों (वस्तुओं) के लिए संसाधन कहाँ उपलब्ध होते हैं ?
- (आ) परिसर के कौन-से घटक मानचित्र में नहीं दिखाए जाते ? उसका कारण क्या है ?
- (इ) मानचित्र में परिसर के घटक दिखाते समय किसका उपयोग किया जाता है ?
- (ई) 'अ' और 'ब' में कौन-सा मानचित्र पूर्ण है ? अपूर्ण मानचित्र में कौन-सी बातें नहीं हैं, उन्हें लिखो ।



अ



ब